करुण पुकार | By Sonu SIngla

सुन कर करुण पुकार ये सो नहीं सकता
भगत बुलाये ये ना आये हो नहीं सकता

भगत तो जान हैं इसकी भगत में प्राण अटके हैं
भगत को याद कर करके इसके दिन रात कटते हैं
और कहीं पर भी इसका दिल नहीं लगता
भगत बुलाये ये ना आये हो नहीं सकता
सुन कर करुण पुकार.....

ये दुनिया रखता कदमो में भगत को दिल में रखता है
हुकूमत करता दुनिया पे भगत से प्यार करता है
दुनिया मरती है इस्पे ये भगत पे है मरता
भगत बुलाये ये ना आये हो नहीं सकता
सुन कर करुण पुकार.....

रहता है दिन रात चिंता में भगत कहीं रूठ ना जाए
भगत का मेरे ऊपर से भरोसा टूट ना जाए
बनवारी कोशिश यही दिन रात ये करता
भगत बुलाये ये ना आये हो नहीं सकता
सुन कर करुण पुकार.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%81%e0%a4%a3-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-sonu-singla/